शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

मंत्रिमंडल के लिए फरवरी, 2025 माह का मासिक सारांश:

फरवरी, 2025 के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियाँ

(क) दुनिया के सबसे बड़े बी2सी पुस्तक मेलों में से एक, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला (एनडीडब्ल्यूबीएफ) 2025, दिनांक 1 से 9 फरवरी 2025 तक भारत मंडपम कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। "रिपब्लिक @ 75" विषय और "हम, भारत के लोग..." के नारे के साथ, इसमें एक गणतंत्र के रूप में भारत के 75 साल पूरे होने का उत्सव मनाया गया और इसकी साहित्यिक और सांस्कृतिक यात्रा को प्रदर्शित किया गया। भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा मेले का उद्घाटन किया गया। इस आयोजन में 1,000 से अधिक लेखकों, साहित्यकारों और वक्ताओं ने भाग लिया, तथा 600 से अधिक साहित्यिक कार्यक्रम और 200 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे संवाद और विचारों के आदान-प्रदान हेतु एक गतिशील मंच उपलब्ध हुआ। इसमें लगभग 2 मिलियन आगंतुक आए और भारत तथा अमेरिका, ब्रिटेन, नेपाल, इटली और ईरान सहित 15 देशों के लगभग 1,000 प्रदर्शकों ने भाग लिया। विशिष्ट अतिथि देश रूस ने "रूस से आई किताबें" के बैनर तले क्यूरेटेड प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया।

मेले में सीईओस्पीक और नई दिल्ली राइट्स टेबल जैसे बी2बी कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिससे व्यावसायिक नेटवर्किंग को बढ़ावा मिला। बाल मंडप में युवा पाठकों को संवादात्मक गतिविधियों और कार्यशालाओं के माध्यम से जोड़ा गया, जबकि लेखक लाउंज में प्रकाशित लेखकों को आगंतुकों से जुड़ने के लिए स्थान उपलब्ध कराया गया। लेखक मंच ने वक्ताओं और हिंदी में चर्चाओं के लिए, साहित्यिक संवाद को बढ़ावा देते हुए तथा भाषा की समृद्धि का उत्सव मनाते हुए एक मंच के रूप में कार्य किया।

कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय दूतावासों और एजेंसियों द्वारा वैश्विक साहित्यिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाले 55 कार्यक्रम शामिल थे। सांस्कृतिक संध्याओं में प्रदर्शन के माध्यम से भारत की विविधता को प्रदर्शित किया गया, जबकि 2024 में एनबीटी, भारत द्वारा शुरू किए गए "फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल" (एफओएफ) के दूसरे संस्करण में कई सांस्कृतिक और साहित्यिक उत्सव एक साथ हुए। एनडीडब्ल्यूबीएफ 2025 ने पठन संस्कृति, संवाद को बढ़ावा देते हुए और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन संबंधों को सुदृढ़ करते हुए एक प्रमुख साहित्यिक आयोजन के रूप में अपनी उपयोगिता सिद्ध की।

(ख) विश्व पुस्तक मेला 2025 में, दिनांक 08.02.2025 को नई दिल्ली में पीएम युवा 2.0 योजना के तहत 41 नई पुस्तकों का विमोचन किया गया। इसके साथ ही, माननीय शिक्षा मंत्री ने कुडोपाली की गाथा: 1857 की अनसुनी कहानी का हिंदी संस्करण भी जारी किया। माननीय शिक्षा मंत्री ने घोषणा की कि पुस्तक जल्द ही 12 भारतीय और दो विदेशी भाषाओं में उपलब्ध होगी, जिससे इसकी पहुंच और गहन प्रभाव सुनिश्चित होगा। उन्होंने 14वीं सदी के गणितज्ञ और खगोलशास्त्री श्री माधव के कार्यों का मलयालम अनुवाद, संगम माधवंते रंडु क्रिथिकल भी जारी किया।

(ग) उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य अतिथि के रूप में दिनांक 15-24 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाले काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण का उद्घाटन किया और श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, श्री एल मुरुगन, केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य

मंत्री और श्री दया शंकर 'दयालु', राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उत्तर प्रदेश सरकार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में इसमें भाग लिया। 10 दिनों के दौरान, तमिलनाडु के विभिन्न क्षेत्रों से आए 304 प्रतिभाशाली कलाकारों ने 25 विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें तमिल विरासत की समृद्धि का प्रदर्शन किया गया।

उक्त अवधि के दौरान, नमो घाट पर आयोजित कार्यक्रम में अनुमानित 1,33,300 आगंतुक शामिल हुए, जिनमें से लगभग 76,500 लोग हथकरघा, हस्तशिल्प, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) वस्तुओं और पुस्तकों से संबंधित स्टॉलों पर गए। इन जीवंत प्रदर्शनियों ने कुल बिक्री में ₹24,12,800 का योगदान दिया।

काशी तमिल संगमम (केटीएस) 3.0 के समापन समारोह की अध्यक्षता ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी ने मुख्य अतिथि के रूप में की। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुकान्त मजूमदार और उत्तर प्रदेश के मंत्री, श्री राजबीर सिंह ने भी मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, जिससे कार्यक्रम का समापन यादगार रहा।

काशी तमिल संगमम 3.0 में विभिन्न शैक्षणिक/सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उपस्थित और प्रदर्शनी देखने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों में उत्तर प्रदेश और ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री, माननीय केंद्रीय मंत्री, माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के माननीय मंत्री, उद्यमी, विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर, 55 मिशन प्रमुख आदि शामिल थे।

***